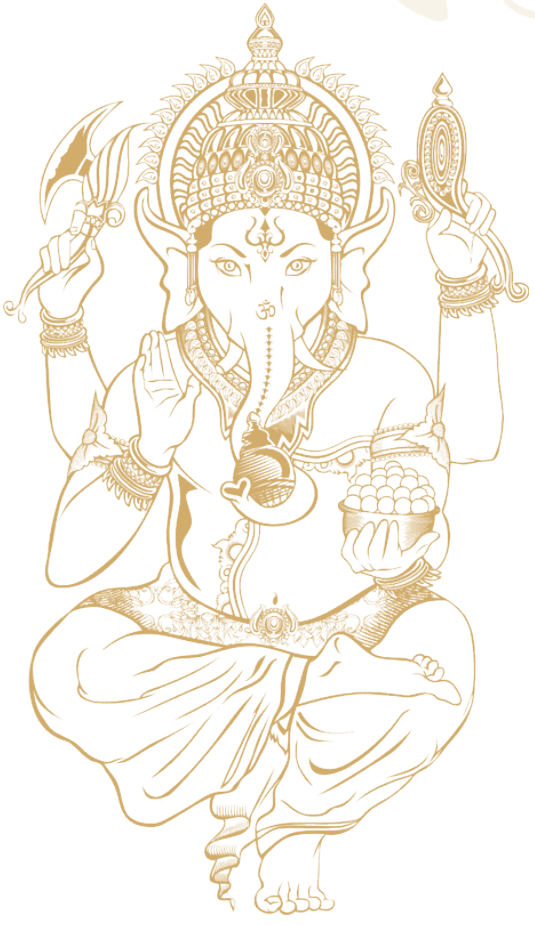

Mr.sangeeta

08 Jan 1982

05:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121627803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/01/1982**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:30:00 घंटे**
इष्ट	25:36:31 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:34 घंटे
साम्पातिक काल	00:19:43 घंटे
सूर्योदय	07:15:23 घंटे
सूर्यास्त	17:40:13 घंटे
दिनमान	10:24:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:17:00 धनु
लग्न के अंश	22:57:08 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ब्रह्म
करण	गर
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-कीर्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	22:57:08	312:41:58	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	---
सूर्य			धनु	24:17:00	01:01:07	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	05:45:43	15:00:42	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			कन्या	16:23:11	00:22:20	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			मक	10:42:36	01:30:29	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			तुला	13:30:20	00:07:48	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र	व		मक	14:03:59	00:19:12	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
शनि			कन्या	28:11:23	00:02:23	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	28:50:17	00:00:18	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	उच्च राशि
केतु	व		धनु	28:50:17	00:00:18	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	09:27:57	00:02:54	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
नेप			धनु	01:49:06	00:02:08	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	03:11:52	00:00:45	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	11:45:52	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:06

लग्न-चलित

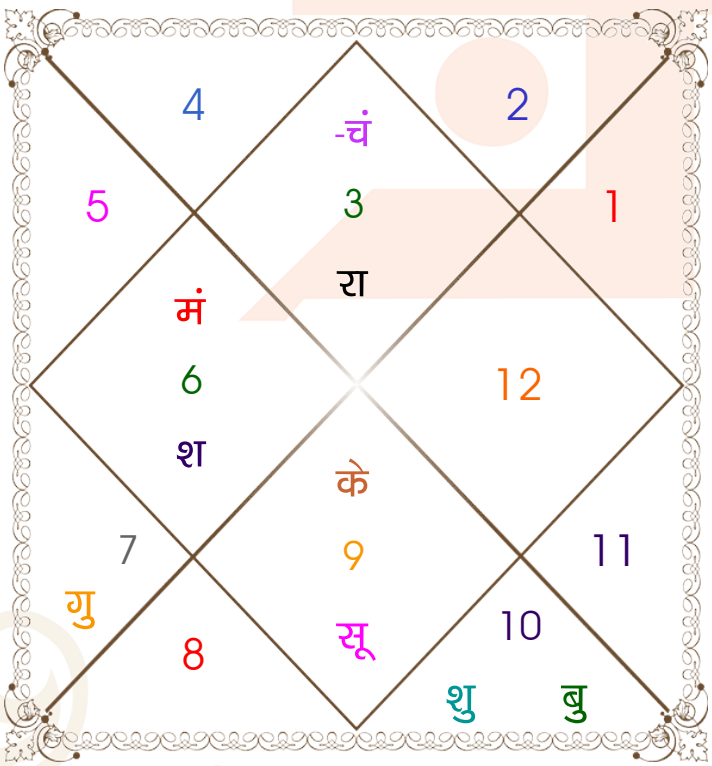

चन्द्र कुंडली

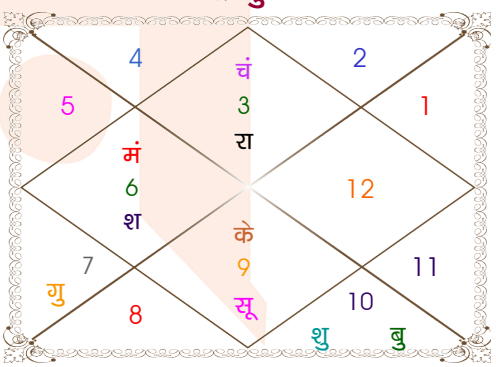

नवमांश कुंडली

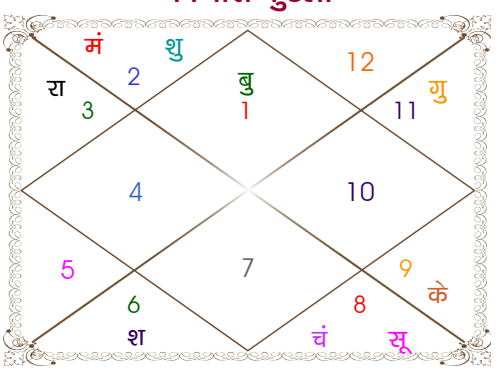

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 5 मास 21 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
08/01/1982		01/07/1982		30/06/2000		30/06/2016		01/07/2035	
01/07/1982		30/06/2000		30/06/2016		01/07/2035		30/06/2052	
	00/00/0000	राहु	13/03/1985	गुरु	18/08/2002	शनि	04/07/2019	बुध	27/11/2037
	00/00/0000	गुरु	06/08/1987	शनि	01/03/2005	बुध	13/03/2022	केतु	24/11/2038
	00/00/0000	शनि	12/06/1990	बुध	07/06/2007	केतु	22/04/2023	शुक्र	24/09/2041
	00/00/0000	बुध	30/12/1992	केतु	13/05/2008	शुक्र	22/06/2026	सूर्य	31/07/2042
	00/00/0000	केतु	17/01/1994	शुक्र	12/01/2011	सूर्य	04/06/2027	चंद्र	31/12/2043
	00/00/0000	शुक्र	17/01/1997	सूर्य	31/10/2011	चंद्र	02/01/2029	मंगल	27/12/2044
	00/00/0000	सूर्य	12/12/1997	चंद्र	01/03/2013	मंगल	11/02/2030	राहु	16/07/2047
	08/01/1982	चंद्र	13/06/1999	मंगल	05/02/2014	राहु	18/12/2032	गुरु	21/10/2049
चंद्र	01/07/1982	मंगल	30/06/2000	राहु	30/06/2016	गुरु	01/07/2035	शनि	30/06/2052

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/06/2052		01/07/2059		01/07/2079		30/06/2085		01/07/2095	
01/07/2059		01/07/2079		30/06/2085		01/07/2095		09/01/2102	
केतु	26/11/2052	शुक्र	30/10/2062	सूर्य	19/10/2079	चंद्र	01/05/2086	मंगल	27/11/2095
शुक्र	26/01/2054	सूर्य	31/10/2063	चंद्र	18/04/2080	मंगल	30/11/2086	राहु	15/12/2096
सूर्य	03/06/2054	चंद्र	30/06/2065	मंगल	24/08/2080	राहु	31/05/2088	गुरु	21/11/2097
चंद्र	02/01/2055	मंगल	31/08/2066	राहु	19/07/2081	गुरु	30/09/2089	शनि	30/12/2098
मंगल	01/06/2055	राहु	30/08/2069	गुरु	07/05/2082	शनि	01/05/2091	बुध	28/12/2099
राहु	18/06/2056	गुरु	30/04/2072	शनि	19/04/2083	बुध	30/09/2092	केतु	26/05/2100
गुरु	25/05/2057	शनि	01/07/2075	बुध	23/02/2084	केतु	01/05/2093	शुक्र	26/07/2101
शनि	04/07/2058	बुध	01/05/2078	केतु	30/06/2084	शुक्र	30/12/2094	सूर्य	01/12/2101
बुध	01/07/2059	केतु	01/07/2079	शुक्र	30/06/2085	सूर्य	01/07/2095	चंद्र	09/01/2102

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 5 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णीम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नही है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नही है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहती हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगी। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगी तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगी तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि की प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभांश प्राप्त करना चाहती हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकती हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहती हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकती हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगी। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाती हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रर्याप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करती हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपने पति एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगी। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन साथी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य पुरुष के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाली तथा विचलित हो जाने वाली महिला हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकती हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ्य एवं आनंदित रहेंगी। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकती हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते।

आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्यिाग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।